UP Board Notes Class 7 Hindi Chapter 35 मदर टेरेसा (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

मदर टेरेसा का पूरा नाम एग्नेस गोन्वस्हा बोजाक्सिउ था। नौ वर्ष की उम्र में । पिता का देहान्त हो जाने पर परिवार चलाने के लिए माँ ने व्यापार शुरू कर दिया। इससे एग्नेस को साहस से कार्य करने की प्रेरणा मिली। बारह वर्ष की उम्र में इन्होंने नन बनने का निश्चय किया। अट्ठारह वर्ष की उम्र में नन बनने के प्रशिक्षण के लिए ये आयरलैंड गई। सन् 1928 ई० में ये कोलकाती आईं और सेन्ट मेरीज की प्रधानाचार्य बन गईं। सन् 1947 ई० में देश के विभाजन से शरणार्थी समस्या के हल की दिशा में पीड़ितों की सेवा करने के लिए इन्होंने प्रधानाचार्य का पद छोड़ दिया। नीली किनारे की साड़ी के वेश में वे सेवाभावी नर्स बन गईं।

कॉन्वेंट छोड़ने के बाद इन्होंने नर्स की ट्रेनिंग ली और कोलकाता को कार्यक्षेत्र बनाया। इन्होंने एक स्कूल की शुरुआत से अपना कार्य आरम्भ किया। इन्होंने गरीबों को खाना खिलाना और भटके हुए बालकों के सुधार के लिए प्रतिभा सेन विद्यालय स्थापित किया। ये शहर के असहाय व्यक्ति को साथ लेकर उसकी सेवा करती थीं।

इन्होंने **'निर्मल हृदय'** नामक घर की स्थापना की। इनके काम से प्रभावित होकर कोलकाता निगम ने एक पुराना मकान दे दिया। 7 अक्टूबर, 1950 ई० को इनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटीज' को मान्यता मिली। माँ की सेवा से यह मिशन सारे विश्व में फैल गया।

मदर टेरेसा द्वारा संचालित संस्थाएँ- निर्मल हृदय, शिशु सदन और प्रेमघर, शान्ति नगर आदि बनाई गईं। मदर टेरेसा हाथ से स्वयं सेवाकार्य करती थीं। सत्तर वर्ष की अवस्था में भी ये दिन में इक्कीस घंटे काम करती थीं। ये दृढ़ और निर्भीक महिला थीं।

अमेरिकी सीनेटर केनेडी ने भारत स्थित शरणार्थी शिविरों का दौरा करते हुए माँ के पवित्र हाथों को अपने सिर पर रख लिया। 5 सितम्बर, 1997 ई० को माँ का निधन हो गया। इनकी अन्तिम यात्रा में विश्व के अनेक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मदर टेरेसा के सेवाभाव और नि:स्वार्थ कार्यों के लिए भारत और विश्व के देशों ने बड़ी धनराशियाँ पुरस्कार दिए। इन्हें इंग्लैंड की महारानी द्वारा 'आर्डर ऑफ ब्रिटिश एम्पायर' राजकुमार फिलिप द्वारा 'टेंपलस पुरस्कार', अमेरिका द्वारा केनेडी पुरस्कार', भारत सरकार द्वारा 'नेहरू शान्ति पुरस्कार', 'पद्म श्री' व 'भारत रत्न पुरस्कार', पोप छठे का 'पोप शान्ति पुरस्कार' और 1979 में 'नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

https://www.evidyarthi.in/